RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 31 MAY TO 06 JUNE 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 36 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

चीन पर निर्भरता कम करने पर सहमत हुए भारत समेत 14 देश

Page 2

10 साल में बदल गया इंडिया, अमेरिकी बैंक ने 9 साल के काम को दे दिए फुल नंबर

Page 4

Air India के मेकओवर पर रुपए 3300 करोड़ का खर्च

Page 5

editoria!

व्यापक व्यापार सहयोग

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अधिक एवं प्रभावी योगदान सुनिश्चित करने पर हिंद- प्रशांत आर्थिक फ्रेमवर्क के 14 देशों में सहमति बन गयी है. इस समझौते का उद्देश्य सूचनाओं के परस्पर आदान-प्रदान तथा किसी संकट में साझा सहयोग से वस्तुओं की आवाजाही सुगम बनाना है. कोरोना काल तथा हालिया भू- राजनीतिक तनावों के दौर में अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है, जिससे वस्तुओं का अभाव भी पैदा हुआ तथा उनकी कीमतें भी बेतहाशा बढ़ीं. वैश्विक अर्थव्यवस्था आज भी इन कारकों के असर में है. उल्लेखनीय है कि दुनिया की आपूर्ति श्रृंखला में चीन की हिस्सेदारी लगभग एक चौथाई है. इस व्यापारिक दबदबे का फायदा उठाते हुए चीन राजनीतिक, कूटनीति और आर्थिक दबाव बनाने की रणनीति भी अपनाता रहा है. ऐसे में विभिन्न देशों के साथ-साथ बड़े उत्पादक भी भारत समेत अन्य देशों की ओर देख रहे हैं. साथ ही, व्यापार मार्गों, विशेषकर हिंद- प्रशांत क्षेत्र में, की सुरक्षा बेहतर करने पर भी ध्यान दिया जा रहा है. हिंद-प्रशांत आर्थिक फ्रेमवर्क में क्वाड समूह के देशों- भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया- के साथ-साथ ब्रुनेई, फिजी, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाइलैंड और वियतनाम शामिल हैं. उल्लेखनीय है कि हाल ही में जापान में जी - 7 समूह के शिखर सम्मेलन के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने जापान के प्रधानमंत्री और अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ बैठक की थी और फिर उन्होंने ऑस्ट्रेलिया का दौरा भी किया था. इन दो परिघटनाओं के बीच में प्रधानमंत्री मोदी ने पापुआ न्यू गिनी में प्रशांत क्षेत्र में स्थित 14 द्वीपीय देशों के प्रमुखों के साथ भारत-प्रशांत द्वीप सहयोग फोरम के तीसरे सम्मेलन में भी शामिल हुए थे. भारत द्वारा स्थापित इस फोरम में भारत के अलावा प्रशांत क्षेत्र के 14 द्वीपीय देश- फिजी, पापुआ न्यू गिनी, कुक आइलैंड्स, किरीबाती, मार्शल आइलैंड्स, माइक्रोनेशिया, नौरू, नियू, पलाऊ, समोआ, सोलोमन आइलैंड्स, टोंगा, तुवालू और वनुआतू शामिल हैं. क्वाड और प्रशांत द्वीप फोरम जैसी पहलों के साथ हिंद-प्रशांत आर्थिक फ्रेमवर्क का महत्व बहुत अधिक बढ़ जाता है. फ्रेमवर्क का यह समझौता आपूर्ति श्रृंखला को लेकर दुनिया का पहला समझौता है. हिंद-प्रशांत आर्थिक फ्रेमवर्क के चार मुख्य स्तंभ हैं- लचीली अर्थव्यवस्था (आपूर्ति श्रृंखला), स्वच्छ अर्थव्यवस्था, न्यायसंगत अर्थव्यवस्था और संबद्ध अर्थव्यवस्था (व्यापार). भारत संबद्ध अर्थव्यवस्था (व्यापार) में पर्यवेक्षक है, जबकि अन्य तीन स्तंभों में शामिल है. समझौते से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को नया आयाम मिलेगा तथा आर्थिक विकास को नयी गति मिलेगी.

जल्द खत्म हो सकते हैं ईरान से प्रतिबंध

कम होंगे कच्चे तेल के दाम, भारत को होगा फायदा

एजेंसी

अप्रैल की शुरुआत में ओपेक प्लस ने रोज लगभग 1.2 मिलियन बैरल के ऑयल प्रोडक्शन कट का ऐलान किया था। जिसके बाद ओपेक प्लस का कुल ऑयल प्रोडक्शन कट रोज 3.66 मिलियन बैरल हो गया। इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल के दाम में जल्द ही बड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। इसकी बड़ी वजह ईरान की ओपेक में संभावित वापसी को माना जा रहा है, जिसपर मौजूदा समय में अमेरिका ने प्रतिबंध लगाए हुए हैं। वैसे क्रूड ऑयल प्रोडक्शन करने वाले संगठन ओपेक के महासचिव हैथम अल घैस के ईरान दौरे को कई मायनों में अहम माना जा रहा है। कयास लगाए जा रहे हैं जल्द ही ईरान से प्रतिबंध हट सकते हैं। जिसका असर क्रूड ऑयल की कीमत में देखने को मिलेगा और इसका फायदा भारत में भी देखने को मिलेगा।

ओपेक ने दिए संकेत

ओपेक के महासचिव हैथम अल घैस ने सोमवार को कहा कि प्रतिबंध हटने के बाद संगठन ऑयल मार्केट में ईरान की वापसी का स्वागत करेगा। ईरान ओपेक मेंबर है, हालांकि इसके तेल निर्यात तेहरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को रोकने के लिए यूएस ने प्रतिबंध लगा दिए थे पहली बार तेहरान का दौरा कर रहे अल घैस ने कहा कि ईरान के पास कम समय में बड़ी मात्रा में प्रोडक्शन करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि ईरान ओपेक फैमिली का मेंबर है और ऑयल मार्केट का जिममेदार प्लेयर भी है।

कितना हो रहा प्रोडक्शन कट

ओपेक के वॉलेंटरी प्रोडक्शन कट और तेल की कीमतों पर इसके प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर, घैस ने कहा कि ओपेक में वे स्पेफिक प्राइस लेवल को टारगेट नहीं करते हैं। यह ग्लोबल ऑयल डिमांड और स्पलाई पर तय होता है। अप्रैल की शुरुआत में ओपेक प्लस ने रोज लगभग 1.2 मिलियन बैरल के ऑयल प्रोडक्शन कट का ऐलान किया था। जिसके बाद ओपेक प्लस का कुल ऑयल प्रोडक्शन कट रोज 3.66 मिलियन बैरल हो गया।

सस्ता होगा कच्चा तेल

ऑयल मार्केट में ईरान की अगर होती है तो ऑयल मार्केट में काफी असर देखने को मिलेगा। ईरानी ऑयल मार्केट में आने से कच्चे तेल के दाम कम होंगे और आम लोगों को राहत मिलेगी। मौजूदा समय में

ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम 77 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गए हैं। वहीं दूसरी ओर डब्ल्यूटीआई के दाम 72.43 डॉलर प्रति बैरल पर है. करीब सवा साल पहले क्रूड ऑयल के दाम 130 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा हो गए थे. जिसकी वजह रूस यूक्रेन वॉर था।

भारत को कैसे होगा फायदा

अगर ईरान की ऑयल मार्केट में दोबारा वापसी होती है तो क्रूड ऑयल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने की उम्मीद है। जिसका फायदा भारत को होगा. देश पर इंपोर्ट बिल कम होगा और पेट्रोल और डीजल की कीमत में कटौती करने में मदद मिलेगी और भारत में महंगाई को कंट्रोल करने में काफी मदद मिलेगी। आईआईएफएल के वाइस प्रेसीडेंट अनुज गुप्ता के अनुसार ईरान से प्रतिबंध हटने का बड़ा फायदा भारत को होगा। दोनों देशों के बीच काफी अच्छे संबंध भी है और इंपोर्ट में भी काफी आसानी होगी।

कच्चा तेल अमेरिकी ऋण सौदे के संघर्ष पर गिरता है, ओपेक + अनिश्चितता की बात करता है

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिकी ऋण सीमा समझौते के बारे में चिंताओं के कारण कल कच्चा तेल -4.64% गिरकर 5756 पर बंद हुआ और प्रमुख उत्पादकों के मिश्रित संदेशों ने इस सप्ताह के अंत में उनकी बैठक से पहले आपूर्ति दृष्टिकोण को धूमिल कर दिया। सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री अब्दुलअज़ीज़ बिन सलमान ने पिछले हफ्ते शॉर्ट-सेलर्स को चेतावनी दी थी कि ओपेक + उत्पादन में कटौती कर सकता है, संभावित संकेत में तेल की कीमतें 'वॉच आउट' तक गिर जाएंगी। हालांकि, उप प्रधान मंत्री अलेक्जेंडर नोवाक सहित रूसी तेल अधिकारियों और स्रोतों की टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक उत्पादन अपरिवर्तित छोड़ने की ओर झुक रहा है। अप्रैल में, सऊदी अरब और ओपेकद्द के अन्य सदस्यों ने लगभग 1.2 मिलियन बैरल प्रति दिन (बीपीडी) के तेल उत्पादन में कटौती की घोषणा

की, जिससे ओपेकद्द द्वारा कटौती की कुल मात्रा 3.66 मिलियन बीपीडी हो गई। रूसी उप प्रधान मंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने कहा कि उन्होंने ओपेक + से कोई नए उपायों की उम्मीद नहीं की क्योंकि समूह ने इस महीने उत्पादन में कटौती को लागू किया था। एनर्जी इंफॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि अमेरिकी कच्चे तेल और डिस्टिलेट इन्वेंट्री पिछले हफ्ते अप्रत्याशित रूप से गिर गए, जबकि गैसोलीन के भंडार पूर्वानुमान से अधिक बढ़ गए। 19 मई को समाप्त सप्ताह में कच्चे तेल का भंडार 12.5 मिलियन बैरल गिरकर 455.2 मिलियन बैरल हो गया, जबकि 800,000 बैरल की वृद्धि के लिए एक सर्वेक्षण में अपेक्षा की गई थी। तकनीकी रूप से बाजार ताजा बिकवाली के अधीन है क्योंकि बाजार में ओपन इंटरेस्ट में 65.26% की बढ़त के साथ 16908 पर बंद हुआ है, जबकि कीमतें -280 रुपये नीचे हैं, अब कच्चे तेल को 5653 और उससे नीचे का समर्थन मिल रहा है और 5550 का परीक्षण देख सकता है। स्तर, और प्रतिरोध अब 5940 पर देखे जाने की संभावना है, ऊपर जाने पर कीमतें 6124 पर परीक्षण कर सकती हैं।

चीन पर निर्भरता कम करने पर सहमत हुए भारत समेत 14 देश

सप्लाई चेन को मजबूत करने तैयारी

एजेंसी

भारत आईपीईएफ के चार स्तंभों में से तीन में शामिल हो गया है, जबकि व्यापार स्तंभ में एक पर्यवेक्षक बना हुआ है। मंत्रिस्तरीय बैठक में, उद्योग और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया। चीन पर अपनी निर्भरता को कम करने और भविष्य की आपूर्ति संकट को पूरा करने के लिए अमेरिका (यूएस) और भारत सहित इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (आईपीईएफ) में 14 भागीदार देशों ने आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) पर एक समझौता किया है। इस सप्ताह के अंत में डेट्रायट में आईपीईएफ देशों की दूसरी व्यक्तिगत मंत्रिस्तरीय बैठक में, समूह ने एक सप्लाई चेव काउंसिल, सप्लाई चेन क्राइसिस रिस्पॉन्स नेटवर्क और लेबर राइट्स एडवाइजरी नेटवर्क स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की। IPEF ने व्यापार, स्वच्छ और निष्पक्ष अर्थव्यवस्था के स्तंभों की प्रगति को भी रेखांकित किया। स्वच्छ अर्थव्यवस्था के ढांचे के तहत इच्छुक सदस्यों ने एक क्षेत्रीय हाइड्रोजन पहल स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की है।

भारत IPEF के चार स्तंभों में से तीन में शामिल हो गया है, जबकि व्यापार स्तंभ में एक पर्यवेक्षक बना हुआ है। मंत्रिस्तरीय बैठक में, उद्योग और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया। गोयल ने ट्वीट किया, 'क्षेत्र में और विकास को गति देने के लिए लचीली आपूर्ति श्रृंखला और एक स्वच्छ और निष्पक्ष अर्थव्यवस्था के निर्माण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।

सप्लाई चेन समझौते पर बातचीत पूरी

सौदे की घोषणा करते हुए, अमेरिकी वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो ने ट्वीट किया कि उन्हें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि आईपीईएफ ने अपनी तरह के पहले सप्लाई चेन समझौते पर बातचीत पूरी कर ली है। 'यह एक बड़ी बात है – और पहली बार आपूर्ति श्रृंखलाओं पर एक अंतरराष्ट्रीय समझौता होगा जो पूरे भारत-प्रशांत में 14 भागीदारों को एक साथ लाएगा।

IPEF में शामिल देश

बता दें कि अमेरिका और भारत के अलावा, IPEF के सदस्यों में ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, फिजी, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं। एक बयान में, IPEF के सदस्यों ने कहा कि आपूर्ति श्रृंखलाओं पर सौदे का उद्देश्य लचीलापन, उत्पादकता, स्थिरता, पारदर्शिता, सुरक्षा, निष्पक्षता और उनकी सप्लाई चेन को बढ़ाने के लिए सहयोगी गतिविधियों और व्यक्तिगत कार्यों दोनों के माध्यम से है।

तीन संस्थानों की स्थापना पर सहमति

आईपीईएफ सदस्य बाजार के सिद्धांतों का सम्मान करते हुए, बाजार की रुकावटों को कम करके, व्यापार में अनावश्यक प्रतिबंधों और बाधाओं को कम करके और व्यवसायों की गोपनीयता बरकरार रखने के लिए सहमत हुए हैं। इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए समूह ने तीन संस्थानों की स्थापना पर सहमति व्यक्त की है।

कार्य योजना विकसित करने में मदद

IPEF सप्लाई चेन काउंसिल के सदस्यों को महत्वपूर्ण क्षेत्रों और प्रमुख वस्तुओं के लिए कार्य योजना विकसित करने के लिए एक साथ काम करने के लिए एक सिस्टम देगी। स्वच्छ अर्थव्यवस्था पर, आईपीईएफ सदस्यों ने कहा कि वे अपने जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने के तरीकों की तलाश कर रहे हैं और स्वच्छ ऊर्जा और क्लाइमेट फ्रेंडली टेक्नोलॉजी के रिसर्च, विकास, उपलब्धता, पहुंच और तैनाती पर सहयोग करेंगे और जलवायु से संबंधित परियोजनाओं के लिए निवेश की सुविधा प्रदान करेंगे। घ्ह्रिं ने निर्माण और तकनीकी सहायता पर सहयोग बढ़ाने सहित भ्रष्टाचार विरोधी उपायों पर प्रभावी ढंग से कार्यान्वयन और प्रगति में तेजी लाने का स्वागत किया।

2022-23 में 500 रुपये के नकली नोट 14.4 प्रतिशत बढ़े

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में 2022-23- में बैंकिंग सिस्टम में पकड़े गए 500 रुपये के नकली नोटों की संख्या 14.6 फीसदी बढ़कर 91, 110 नोट हो गई। मंगलवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक इसी अवधि में सिस्टम द्वारा पकड़े गए 2,000 रुपये मूल्यवर्ग के नकली नोटों की संख्या 28 प्रतिशत घटकर 9,806 नोट रह गई। हालांकि बैंकिंग सेक्टर में पकड़े गए नकली भारतीय करेंसी नोटों की कुल संख्या पिछले वित्तीय वर्ष में 2,30,971 नोटों की तुलना में 2022-23 में घटकर 2,25,769 नोट रह गई। उल्लेखनीय है कि यह 2021-22 में बढ़ गया था। आरबीआई की सालाना रिपोर्ट में 20 रुपये के मूल्यवर्ग में पाए गए नकली नोटों में 8.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी और 500 रुपये नए डिजाइन) मूल्यवर्ग में 14.4 फीसदी की बढ़ोतरी पर भी प्रकाश डाला गया है। दूसरी ओर, 10 रुपये, 100 रुपये और 2,000 रुपये के नकली नोटों में क्रमशः 11.6 प्रतिशत, 14.7 प्रतिशत और 27.9 प्रतिशत की गिरावट आई है।

करेंसी को लेकर आरबीआई ने दी कई जानकारी

बैंक नोटों का चलन मूल्य और मात्रा के लिहाज से 2022-23 के दौरान क्रमशः 7.8 फीसदी और 4.4 फीसदी बढ़ा. वित्त वर्ष 2021-22 में यह आंकड़ा क्रमशः 9.9 फीसदी और पांच फीसदी था। रिपोर्ट के मुताबिक मूल्य के लिहाज से 31 मार्च, 2023 तक 500 रुपये और 2,000 रुपये के बैंक नोटों की हिस्सेदारी कुल बैंक नोटों के चलन में 87.9 फीसदी थी। इससे एक साल पहले यह आंकड़ा 87.1 फीसदी था।

RBI ने 2000 रुपये के नोट वापस लेने का किया एलान

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल में 2,000 रुपये के नोटों को वापस लेने की घोषणा की है और इन्हें जमा करने या बदलने के लिए 30 सितंबर तक का समय दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया, मात्रा के लिहाज से 31 मार्च 2023 तक कुल प्रचलित मुद्रा में 500 रुपये के नोटों की हिस्सेदारी 37.9 फीसदी है, जो सबसे अधिक है। इसके बाद 10 रुपये के नोट का स्थान है, जिनकी हिस्सेदारी 19.2 फीसदी है। मार्च 2023 के अंत तक 500 रुपये के कुल 5,16,338 लाख नोट चलन में थे, जिनका कुल मूल्य 25,81,690 करोड़ रुपये है।

2000 के नोटों का चलन घटा है

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि मार्च के अंत में दो हजार रुपये के 4,55,468 लाख नोट चलन में थे, जिनकी कुल कीमत 3,62,220 करोड़ रुपये है, इसमें आगे बताया गया कि दो हजार रुपये के नोटों के चलन में मूल्य और मात्रा, दोनों लिहाज से कमी आई है। इस समय दो रुपये, पांच रुपये, 10 रुपये, 20 रुपये, 50 रुपये, 100 रुपये, 200 रुपये, 500 रुपये) और 2,000 रुपये के नोट चलन में हैं। इसके अलावा 50 पैसे, एक रुपये, दो रुपये, पांच रुपये, 10 रुपये और 20 रुपये के सिक्के भी चलन में शामिल हैं। आरबीआई ने 2022-23 के दौरान पायलट आधार पर ई रुपया भी पेश किया रिपोर्ट के मुताबिक 31 मार्च, 2023 तक चलन में शामिल ई-रुपया (थोक) और ई-रुपया (खुदरा) का मूल्य क्रमशः 10.69 करोड़ रुपये और 5.70 करोड़ रुपये था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि 2022-23 में नोटों की मांग और आपूर्ति सालाना आधार पर 1.6 फीसदी अधिक थी। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि 2021-22 की तुलना में बीते वित्त वर्ष में 20 रुपये और 500 रुपये (नए डिजाइन) के मूल्यवर्ग में पाए गए नकली नोटों में क्रमशः 8.4 फीसदी और 14.4 फीसदी की वृद्धी हुई है। दूसरी ओर 10 रुपये, 100 रुपये और 2,000 रुपये के मूल्यवर्ग में पाए गए नकली नोटों में क्रमशः 11.6 फीसदी, 14.7 फीसदी और 27.9 फीसदी की गिरावट हुई।

10 साल में बदल गया इंडिया, अमेरिकी बैंक ने 9 साल के काम को दे दिए फुल नंबर

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी वाला देश जर्मनी मंदी में फंस चुका है जबकि अमेरिका पर डिफॉल्टर होने का खतरा मंडरा रहा है। चीन अब पूरी तरह महामारी के प्रकोप से नहीं उबर पाया है और उसकी इकॉनमी लड़खड़ा रही है। यूरोप समेत दुनिया के कई देशों में स्थिति दिन ब दिन बदतर होती जा रही है। ऐसे में भारतीय इकॉनमी दुनिया के लिए उम्मीद की किरण बनकर उभरी है। भारत की इकॉनमी के इस साल भी सबसे तेजी से बढ़ने का अनुमान है। हर बीते दिन के साथ ऐसे इंस्टीट्यूट्स की संख्या लंबी होती जा रही है जो भारत को भारत को ग्लोबल इकॉनमी के लिए ब्राइट स्पॉट बता रहे हैं। इस लिस्ट में अब दिग्गज अमेरिकी ब्रोकरेज कंपनी मॉर्गन स्टेनली का नाम भी जुड़ गया है। उसका कहना है कि भारत पूरी तरह बदल गया है और दुनिया में एक बड़ी पोजीशन हासिल करने की तरफ बढ़ रहा है। मॉर्गन स्टेनली ने एक रिपोर्ट में कहा कि भारत बदल गया है और आज विश्व व्यवस्था में एक स्थान हासिल करने की ओर है। रिपोर्ट में कहा है कि भारत एशिया और वैश्विक वृद्धि में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को तैयार है। भारत को लेकर संदेह, विशेष रूप से विदेशी निवेशकों के मामले में, 2014 के बाद से हुए उल्लेखनीय बदलावों को नजरअंदाज करने जैसा है। रिपोर्ट में इन आलोचनाओं को खारिज किया गया है कि दुनिया की दूसरी सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने और पिछले 25 साल के दौरान सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले शेयर बाजार के बावजूद भारत अपनी क्षमता के अनुरूप नतीजे नहीं दे सका है।

10 साल में हो गया कायाकल्प

रिपोर्ट कहती है कि भारत एक दशक से कम समय में बदल गया है। इसके मुताबिक 'यह भारत 2013 से अलग है। 10 साल के छोटे से अरसे में भारत ने दुनिया की व्यवस्था में स्थान बना लिया है। 2014 से हुए 10 बड़े बदलावों का जिक्र करते हुए ब्रोकरेज कंपनी ने कहा कि भारत में कॉरपोरेट कर की दर को अन्य देशों के बराबर किया गया है। इसके अलावा बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके साथ ही वस्तु एवं सेवा कर (GST) कलेक्शन लगातार बढ़ रहा है। साथ ही जीडीपी के प्रतिशत में डिजिटल लेनदेन बढ़ रहा है, जो अर्थव्यवस्था के संगठित होने का संकेत है।

मंदी की आशंका जीरो

World of Statistics के मुताबिक भारत में मंदी की कोई आशंका नहीं है। भारत बड़े देशों में एकमात्र देश है जहां मंदी की जीरो परसेंट संभावना है। हाल में आए आंकड़ों से इस बात की तस्दीक होती है कि भारत की इकॉनमी जोर पकड़ रही है। आईएमएफ के मुताबिक इस साल भी भारत की इकॉनमी दुनिया में सबसे तेजी से ग्रोथ करने वाली इकॉनमी होगी। अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन के सारे रेकॉर्ड टूट गए हैं। साथ ही मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई भी चार महीने के टॉप पर पहुंच गया है। अधिकांश ऑटो कंपनियों की अप्रैल में बिक्री दमदार रही। ये सारे फैक्टर्स इस बात का संकेत है कि जहां दुनिया मंदी की आशंका में जी रही है वहीं भारत की इकॉनमी तेजी से बढ़ रही है।

पांचवां बड़ा शेयर मार्केट

इस बीच भारत एक बार फिर दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा मार्केट बन गया है। घरेलू शेयर मार्केट्स में पिछले कुछ दिनों से जारी तेजी के बदौलत भारत ने फ्रांस को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया है। जनवरी में फ्रांस इस रैंकिंग में भारत से आगे निकल गया था। लेकिन भारतीय शेयर मार्केट्स में 28 मार्च से लगातार तेजी दिख रही है। विदेशी पोर्टफोलियो इनवेस्टर्स (FPI) जमकर भारतीय इक्विटी मार्केट में निवेश कर रहे हैं। भारत का मार्केट कैपिटेलाइजेशन ₹3.31 लाख करोड़ डॉलर पहुंच चुका है। इसके साथ ही भारत एक बार फिर दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा मार्केट बन गया है। इस साल देश की मार्केट वैल्यू में करीब 330 अरब डॉलर की तेजी आई है।

तेल की कीमतें कम और स्थिर होने से भारत की विकास गति को मिलेगा बल : किरिट पारेख

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत की विकास दर की गति को तेज या धीरे करने में क्रूड ऑयल या कहें कच्चा तेल अहम भूमिका निभाता है। पिछले कुछ दिनों से ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 73 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गई हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की गिरी कीमतों का असर 2023-24 में भारत की जीडीपी विकास संभावनाओं पर असर डालता है। इस बारे में जाने माने तेल अर्थशास्त्री किरिट पारेख का कहना है कि हम करीब 200 मिलियन टन से ज्यादा कच्चे तेल का आयात कर रहे हैं। तेल की कीमतों में अगर गिरावट आती है तो हमारी ग्रोथ रेट बढ़ सकती है। पारेख का कहना है कि ऐसे में अर्थव्यवस्था और बेहतर हो सकती है क्योंकि कच्चा तेल जब महंगा होता है तो इससे भारतीय अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ता है. देश का काफी पैसा इस काम में खर्च होता है और आयात पर खर्च काफी बढ़ जाता है।

भारत के लिए महत्वपूर्ण है कि तेल की कीमत घटे. इससे आर्थिक विकास की रफ्तार बढ़ सकती है। इससे कच्चे तेल के आयात पर खर्च बचेगा जिसका निवेश अर्थव्यवस्था में किया जा सकता है। भारत के लिए सस्ता तेल बहुत महत्वपूर्ण है। किरिट पारेख ने कहा कि हम रूस से कच्चा तेल आयात कर रहे हैं। इसका असर अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में कच्चे तेल की कीमत पर भी पड़ा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के फौरन बाद कीमतों में उथल-पुथल हुई थी, लेकिन अब स्थिरता आ रही है।

देश के केंद्रीय बैंक आरबीआई के 2023-24 में जीडीपी विकास दर को 6.5 प्रतिशत रखने के अनुमान पर तेल के जाने-माने अर्थशास्त्री पारेख का कहना है कि वे आरबीआई से ज्यादा बुलिश हैं क्योंकि आज देश में सरकारी और प्राइवेट इन्वेस्टमेंट बढ़ रहा है। इसीलिए उन्हें लगता है कि इस साल ग्रोथ और बेहतर होगा. अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में कच्चा तेल के सस्ता होने से भी फायदा होना चाहिए. उन्होंने कहा कि अगले कुछ महीने तक कच्चे तेल की कीमत में स्थिरता बनी रहेगी।

सरकार ने लिया बड़ा फैसला

अब खराब नहीं होगा अनाज, किसानों को मिलेगा पूरा दाम

नई दिल्ली। एजेंसी

किसानों के लिए अच्छी खबर है। अब स्टोरेज की कमी के कारण उनकी फसल खराब नहीं होगी और उन्हें अपनी फसल की पूरी कीमत मिलेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सहकारी क्षेत्र में अनाज भंडारण क्षमता बढ़ाने के लिए एक लाख करोड़ रुपये की योजना को आज मंजूरी दे दी। इससे देश में दुनिया का सबसे बड़ा अन्न भंडार बनाया जाएगा। इस योजना के तहत देश के हर ब्लॉक में 2000 टन क्षमता का एक गोदाम बनाया जाएगा। इसके लिए एक इंटर-मिनिस्टेरियल कमेटी का गठन किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि सरकार ने सहकारी क्षेत्र में खाद्यान्न भंडारण क्षमता 700 लाख टन बढ़ाने के लिए एक लाख करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी। देश में अनाज भंडारण क्षमता फिलहाल 1,450 लाख टन है। ठाकुर ने कहा कि अगले पांच साल में भंडारण क्षमता बढ़ाकर 2,150 लाख टन की जाएगी। यह क्षमता सहकारी क्षेत्र में बढ़ेगी। ठाकुर ने प्रस्तावित योजना को सहकारी क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा खाद्यान्न भंडारण कार्यक्रम बताया। इसके तहत प्रत्येक ब्लॉक में 2,000 टन क्षमता के गोदाम बनाए जाएंगे। इस कदम का उद्देश्य भंडारण सुविधाओं की कमी से अनाज को होने वाले नुकसान से बचाना, किसानों को संकट के समय अपनी उपज औने-पौने दाम पर बेचने से रोकना, आयात पर निर्भरता कम करना तथा गांवों में रोजगार के अवसर सृजित करना है। मंत्री ने कहा कि अधिक भंडारण क्षमता से किसानों के लिए परिवहन लागत कम होगी और खाद्य सुरक्षा मजबूत होगी। देश में सालाना करीब 3,100 लाख टन खाद्यान्न का उत्पादन होता है। लेकिन मौजूदा क्षमता के तहत गोदामों में कुल उपज का 47 प्रतिशत तक ही रखा जा सकता है।

जनवरी-मार्च तिमाही 2022-23 में भारत की जीडीपी 6.1% बढ़ी

नई दिल्ली। एजेंसी

जनवरी-मार्च तिमाही 2022-23 में भारत की जीडीपी 6.1% बढ़ी। भारत सरकार का कहना है कि 2022-23 के दौरान वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि 2021-22 में 9.1 प्रतिशत की तुलना में 7.2 प्रतिशत अनुमानित है। केंद्र का राजकोषीय घाटा 2022-23 में जीडीपी के 6.4 प्रतिशत तक सीमित हो गया, जो वित्त वर्ष 22 में 6.71 प्रतिशत था, जैसा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल फरवरी में अपने बजट में अनुमान लगाया था। सीजीए ने कहा कि सरकार को 2022-23 के दौरान 24.56 लाख करोड़ रुपये (कुल प्राप्तियों के संशोधित अनुमान 2022-23 का 101 प्रतिशत) मिले। इसमें रुपए 20.97 लाख करोड़ कर राजस्व (केंद्र से शुद्ध), रुपए 2.86 लाख करोड़ गैर-कर राजस्व और रुपए 72,187 करोड़ गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियां शामिल हैं। गैर-ऋण पूंजीगत प्राप्तियों में ऋणों की वसूली और विविध पूंजीगत प्राप्तियां शामिल होती हैं। केंद्र सरकार द्वारा करों के विचलन के रूप में लगभग रुपए 9.48 लाख करोड़ राज्य सरकारों को हस्तांतरित किए गए हैं, जो पिछले वर्ष (2021-22) की तुलना में रुपए 50,015 करोड़ अधिक है।

Paytm और SBI Cards ने लॉन्च किया Paytm SBI Card, क्रेडिट कार्ड से UPI पेमेंट की सुविधा

नई दिल्ली। एजेंसी

वित्तीय सेवा कंपनी पेटीएम ने एसबीआई कार्ड्स और एनपीसीआई के मिलकर रुपे क्रेडिट कार्ड लॉन्च करने करने का फैसला किया है। इसका मकसद वित्तीय सेवाओं खासकर क्रेडिट तक लोगों की पहुंच बढ़ाना और नये यूजर्स को फॉर्मल इकोनॉमी में शामिल करना है। यूजर्स पेटीएम एसबीआई कार्ड्स को रुपे नेटवर्क पर इस्तेमाल कर सकेंगे जहां क्रेडिट कार्ड्स के जरिए यूपीआई पेमेंट की सुविधा शुरू हो जाएगी। इस नए क्रेडिट कार्ड में यूजर्स को वेलकम बेनेफिट्स से लेकर कैशबैक प्वाइंट्स और कई अन्य बेनेफिट्स दिए जायेंगे। बता दें कि पेटीएम और एसबीआई कार्ड्स ने 2020 में पार्टनरशिप शुरू की थी।

क्या है ऑफर?

One 97 Communications Limited (OCL) ने एसबीआई कार्ड पेमेंट के साथ मिलकर Rupay Network पर पेटीएम एसबीआई कार्ड लॉन्च करने जा रही है। आपको बता दें कि OCL पेटीएम ब्रांड नाम से वित्तीय सेवाएं देती है। इस कार्ड में कंपनी, पेटीएम फर्स्ट मेंबरशिप के साथ कंप्लीमेंटरी 75,000 रुपये का प्रिविलेज ऑफर कर रही है। इसमें कुछ ओटीटी प्लेटफॉर्म की मेंबरशिप और फ्लाइट टिकट में डिस्काउंट भी शामिल है। इसके लिए उन्हें पेटीएम ऐप का इस्तेमाल करना होगा। इसके अलावा कार्डहोल्डर्स को मूवी और ट्रेवल टिकट बुक करने पर 3 फीसदी का कैशबैक और पेटीएम ऐप पर अन्य खरीदारी पर 2 फीसदी कैशबैक मिलेगा।

क्रेडिट पेमेंट को बढ़ावा

इस मौके पर पेटीएम के फाउंडर और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने कहा कि, भारत अगली भुगतान क्रांति के मुहाने पर खड़ा है जहां क्रेडिट पेमेंट का सबसे बड़ा विकल्प बन जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे यूजर्स पहले से ही क्यूआर कोड-आधारित भुगतान को लेकर बेहद जागरुक हैं। रुपे क्रेडिट कार्ड के यूपीआई क्यूआर कोड से मोबाइल फोन के जरिए ट्रांजैक्शन को और बढ़ावा मिलेगा। आपको बता दें कि अभी क्रेडिट कार्ड के जरिए क्यूआर कोड स्कैन करने और पेमेंट की सुविधा कुछ ही कार्ड पर है। एसबीआई कार्ड के एमडी ने कहा कि रूपे की इंडिया में व्यापक पहुंच और स्वीकार्यता को देखते हुए ग्राहक इस कार्ड का फायदा उठा सकते हैं।

हथियार आयात करने वाला भारत बन रहा है डिफेंस एक्सपोर्ट का हब, जानिए किन हथियारों का हो रहा निर्यात

नई दिल्ली। एजेंसी

वह दिन दूर नहीं है जब भारतीय सेना के जांबाज पूरी तरह स्वदेश में बने हथियारों से सुसज्जित होगी। देश डिफेंस प्रॉडक्शन के क्षेत्र में तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है। इतना ही नहीं भारत कई दूसरे देशों को भी रक्षा साजोसामान का निर्यात कर रहा है। फाइनेंशियल ईयरर 2013-14 में भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट मात्र 686 करोड़ रुपये था जो फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में 16,000 करोड़ रुपये पहुंच गया। नौ साल में देश के डिफेंस एक्सपोर्ट में करीब 23 गुना उछाल आई है। यह सरकार की आत्मनिर्भर भारत योजना का ही परिणाम है कि देश ने यह मुकाम हासिल किया है। आज 100 से भी अधिक कंपनियां प्रॉडक्ट्स का एक्सपोर्ट कर रही हैं। भारत से मुख्यतः ब्रह्मोस मिसाइल, पिनाका रॉकेट और लॉन्चर, डॉर्नियर-228 एयरक्राफ्ट, आर्टिलरी गन, आर्मर्ड वीकल्स, रडार और सिमुलेटर जैसे प्रॉडक्ट्स का एक्सपोर्ट किया जा रहा है। एक्सपोर्ट बढ़ने के साथ-साथ देश में डिफेंस प्रॉडक्ट्स का इम्पोर्ट घटा

है। स्वीडन के थिंक टैंक स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) के मुताबिक 2013-17 से 2018-22 के बीच भारत के डिफेंस इम्पोर्ट में 11 फीसदी की गिरावट आई। इसके बावजूद भारत दुनिया में रक्षा साजोसामान का सबसे बड़ा इम्पोर्टर बना हुआ है।

किन देशों से मंगाता है भारत

SIPRI के आंकड़ों के मुताबिक रूस, फ्रांस और इजरायल जैसे देशों के लिए भारत सबसे बड़ा वेपन्स एक्सपोर्ट मार्केट है। एक बयान में इंस्टीट्यूट ने कहा कि पाकिस्तान और चीन के साथ तनाव के कारण भारत के डिफेंस इम्पोर्ट की डिमांड बनी हुई है। ग्लोबल आर्म्स इम्पोर्ट्स में भारत की हिस्सेदारी 11 परसेंट है। इसके कई कारण हैं। सबसे बड़ा कारण यह है कि देश में हथियार खरीदने की प्रक्रिया काफी धीमी और जटिल है। इस बीच 2013–17 से 2018–22 के बीच पाकिस्तान का हथियारों का आयात 14 परसेंट बढ़ गया। पाकिस्तान अपने 77 परसेंट हथियार चीन से मंगाता है। अमेरिका का डिफेंस एक्सपोर्ट में 33 से बढ़कर 40 परसेंट हो गया है जबकि रूस का 22 परसेंट से घटकर 16 परसेंट रह गया है।

युद्ध हो या बड़ी आपदा...

कोई हिला ना पाएगा भारत की इकॉनमी, RBI ला रहा यह हथियार

नई दिल्ली। एजेंसी

RBI ऐसे लाइट वेट पोर्टेबल पेमेंट सिस्टम पर काम कर रहा है, जो कि युद्ध और आपदाओं के समय भी पेमेंट का काम सुचारू तरीके से कर सके। RBI की ओर से डिवेलप किए जा रहे इस सिस्टम में युद्ध और प्राकृतिक आपदाओं के समय कम से कम कर्मचारियों की मदद से इसे कहीं से भी संचालित किया जा सकेगा। RBI ने अपनी रिपोर्ट 2023-23 में इस नए हल्के और पोर्टेबल पेमेंट सिस्टम के कॉन्सेप्ट का उल्लेख किया है।

मौजूदा पेमेंट सिस्टम नहीं करते काम

गौरतलब है कि प्राकृतिक आपदाओं और युद्ध जैसी भयानक घटनाओं के समय RTGS, NEFT और UPI जैसे मौजूदा

पारंपरिक पेमेंट सिस्टम अस्थायी तौर पर पहुंच से बाहर हो जाते हैं। RBI इन्ही दिक्कतों से छुटकारा पाने के लिए ये नया पेमेंट सिस्टम लाने वाला है। RBI ने कहा कि जरूरत पड़ने पर ही इसे सक्रिय किया जाएगा। सामान्य स्थिति में मौजूदा पेमेंट सिस्टम एक्टिव रहेंगे। यह प्राणाली जीरो डाउन टाइम की स्थिति में पेमेंट सुनिश्चित कर सकती है।

कैसे करेगा काम

युद्ध या प्राकृतिक आपदाओं के दौरान जटिल वायर्ड नेटवर्क पर भरोसा करने की बजाय इस हल्की और पोर्टेबल पेमेंट प्रणाली को उपयोग में लेने के लिए RBI इसे विकसित कर रहा है। इस सिस्टम में न्यूनतम हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर होगा और इसे केवल जरूरत के आधार पर एक्टिव किया जाएगा। आपदा के वक्त यह सिस्टम इकॉनमी के लिए अहम लेनदेन को संभालेगा, जैसे कि सरकार और बाजारों से संबंधित, और लिक्विडिटी को बनाए रखने में मदद आदि।

Air India के मेकओवर पर रुपए 3300 करोड़ का खर्च

नई दिल्ली। एजेंसी

जब से एयर इंडिया की कमान टाटा के हाथों में आई है, एयरलाइन में लगातार बदलाव हो रहे हैं। एयर इंडिया की सर्विस में लगातार सुधार हो रहा है। यात्रियों के लिए सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। अब जल्द ही एयर इंडिया की फ्लाइट में आपको वाईफाई की सर्विस मिलने लगेगी। अगले दो सालों में एयर इंडिया पूरी तरह बदलने जा रहा है। एयर इंडिया की फ्लाइट्स में आपको फ्री इंटरनेट के साथ-साथ बेहतर सीट समेत तमाम सुविधाएं मिलने लगेगी। फ्री वाईफाई की शुरुआत अगले साल से हो जाएगी। सबसे पहले वाईफाई सर्विस की शुरुआत 6 वाइड बॉडी एयरबस A350 से होने वाली है।

एयर इंडिया के सफर के दौरान लोगों को फ्री इंटरनेट की सर्विस देने के लिए एयरलाइन ने बड़ी पहल की शुरुआत कर दी है। एयर इंडिया के एमडी-सीईओ Campbell Wilson ने कहा कि वाईफाई सर्विस की शुरुआत एयरबस A350 से होगी। जिसके बाद धीरे-धीरे इसका विस्तार बाकी फ्लाइट्स में होगा। वाईफाई के अलावा फ्लाइट के इंटीरियर में बदलाव किया जा रहा है। अगले दो सालों में एयर इंडिया के विमानों का इंटीरियर पूरी तरह से बदल जाएगा। एयर इंडिया के सीईओ के मुताबिक अगले साल मार्च तक 19 नए वाइड बॉडी एयरक्राफ्ट में वाईफाई सर्विस की शुरुआत हो जाएगी। सभी के इंटीरियर को भी ब्रांड न्यू लुक दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि साल 2024 तक एयर इंडिया के मौजूदा 40 वाइड बॉडी एयरक्राफ्ट के मेकओवर को भेंजेगे। जिसमें 27 बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर और 13 बोइंग 777-300ER विमानों का मेकओवर होगा। इस सबमें एयर इंडिया 400 करोड़ डॉलर खर्च किया है।

फ्लाइट में फ्री WiFi पर दबाकर देख सकेंगे मूवी

एयर इंडिया के इस मेगा प्रोजेक्ट में 40 वाइड बॉडी विमानों में नवीनीकरण का काम किया जाएगा। विमानों का इंटीरियर होगा, ताकि कैबिन और यात्रियों की सीट को ज्यादा कंफर्टेबल और बेहतर बनाया जा सके। इसमें रिफरबिशिंग के तहत केबिन का इंटीरियर चेंज होगा। पायलट का सीट ज्यादा कंफर्टेबल और लेटेस्ट जेनरेशन की होगी। फ्लाइट में एंटरटेनमेंट की पूरी व्यवस्था होगी। आप सफर के दौरान वाईफाई का इस्तेमाल कर सकेंगे।

मिंत्रा की ईओआरएस - 181 जून से शुरू: 6000 से ज्यादा ब्रांड्स के मिलेंगे 20 लाख स्टाईल

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

फैशन, ब्यूटी एवं लाईफस्टाईल के लिए भारत के अग्रणी डेस्टिनेशन, मिंत्रा ने सोमवार को बताया कि यह अपने ऐप पर नॉन-मेट्रो शहरों से 15 मिलियन नए यूज़र्स का स्वागत करने वाला है क्योंकि देश में लाखों ग्राहकों के लिए मिंत्रा की अर्द्धवार्षिक एंड ऑफ रीज़न सेल (ईओआरएस) 1 जून से शुरू होने वाली है, जिसमें 6,000 से ज्यादा अग्रणी घरेलू, अंतर्राष्ट्रीय और डी2सी ब्रांड्स के 20 लाख से ज्यादा फैशन, ब्यूटी और लाईफस्टाईल उत्पाद उपलब्ध होंगे।

कंपनी सबसे ज्यादा भीड़ के वक्त एक साथ 9 लाख ग्राहकों को संभाल सकेगी। मिंत्रा पर 17,000 से ज्यादा किराना पार्टनर्स का मेन्सा नेटवर्क पूरे देश में सुगम डिलीवरी संभव बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मिंत्रा की सीईओ, नंदिता सिन्हा ने कहा, ' मिंत्रा के अग्रणी टेक इन्हेंसमेंट्स और फीचर्स द्वारा हम ग्राहकों के हर वर्ग, चाहे जैनज़ी हो या मिलेनियल्स या फिर टियर 2 और 3शहरों से हमारे ग्राहक या फिर सौंदर्य प्रसाधन सामग्री के चाहने वाले, हर तरह के ग्राहकों को हम अतुलनीय ऑफर और बेहतरीन शॉपिंग का अनुभव प्रदान करना चाहते हैं। '

उन्होंने कहा, 'हमारी ईओआरएस फिल्म्स में शाहरुख खान जैसे सुपरस्टार्स की मौजूदगी विभिन्न आयु समूह और क्षेत्रों में इस शॉपिंग महोत्सव की ओर रूझान को बढ़ाती है । ' ईओआरएस 18 में उपभोक्ताओं का ज्यादा रूझान मेन्स कैज्युअल वियर, वीमेंस एथनिक, वीमेंस वेस्टर्न वियर, ब्यूटी एवं पर्सनल केयर, वॉच एवं वियरेबल्स, होम एवं फर्निशिंग, समर एसेंशल्स, वर्क वियर और किड्स वियर की ओर होने की उम्मीद है।

अब ज्यादा आ सकता है आपका बिजली बिल

5 साल बाद कोयले को लेकर आई चिंता वाली खबर

नई दिल्ली। एजेंसी

जल्द ही बिजली की महंगाई देखने को मिल सकती है। क्योंकि कोयले के दाम बढ़ गए हैं। कोल इंडिया लिमिटेड ने नॉन-कुकिंग कोयले की कीमत को 8 फीसदी बढ़ा दिया है। एक रेगुलेटरी फाइलिंग में कंपनी ने कहा कि कीमतों में यह बढ़ोतरी 31 मई से प्रभावी हो जाएगी। पांच वर्षों में पहली बार कोयले की कीमतों में यह इजाफा हुआ है। पिछली बार साल 2018 में नॉन-कुकिंग कोयले की कीमतों में इजाफा हुआ था।

रेवेन्यू बढ़ाने में मिलेगी मदद

कीमतों में बढ़ोतरी से मौजूदा वित्त वर्ष में कंपनी को रेवेन्यू बढ़ाने में मदद मिलेगी। कंपनी ने कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी कोल इंडिया की सभी सब्सिडियरीज के लिए लागू होगी। कोल इंडिया देश का सबसे बडा कोल माइनर है। सीआईएल को वित्त वर्ष 2024 के बचे समय में 2703 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने की उम्मीद है।

जी2 से जी10 ग्रेड कोयले के दाम बढ़ाए

कोल इंडिया लिमिटेड के बोर्ड की 30 मई को बैठक हुई थी। इस मीटिंग में नॉन-कुकिंग कोल की कीमतों में बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई। हाई ग्रेड कोयले की कीमतों में यह इजाफा किया गया है। बोर्ड ने जी2 से जी 10ग्रेड के हाई ग्रेड कोयले की मौजूदा कीमतों को 8 फीसदी बढ़ाने की मंजूरी दी। यह रेगुलेटेड और नॉन रेगुलेटेड सेक्टर्स के लिए एनईसी समेत सीआईएल की सभी सब्सिडियरीज के लिए लागू है।

शेयर में गिरावट

कोल इंडिया के शेयर में बुधवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में यह शेयर 1.84 फीसदी या 4.50 रुपये की गिरावट के साथ 239.85 रुपये पर ट्रेड करता दिखा। इस शेयर का 52 वीक हाई 263.30 रुपये है। वहीं, 52 वीक लो लेवल 174.60 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 1,47,967.11 करोड़ रुपये है।

सहकारिता क्षेत्र की सबसे बड़ी फूड स्टोरेज स्कीम को मंजूरी

स्कीम पर एक लाख करोड़ रुपए खर्च होंगे, इससे अनाज की बर्बादी रुकेगी

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को सहकारिता क्षेत्र की दुनिया की सबसे बड़ी फूड स्टोरेज स्कीम को मंजूरी दी। इस स्कीम पर एक लाख करोड़ रुपए खर्च होंगे। योजना के तहत हर ब्लॉक में 2000 टन क्षमता का गोदाम बनाया जायेगा। इसके लिए एक अंतर-मंत्रालयी कमेटी का गठन होगा। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दी। इस स्कीम को सबसे पहले पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर 10 जिलों में लागू किया जाएगा। अनुराग ठाकुर ने कहा कि स्टोरेज की कमी की वजह से जो अनाज की बर्बादी होती थी वह इससे रुकेगी। जिन किसानों को स्टोरेज न मिलने की वजह से अपनी उपज को औने-पौने दाम पर बेचना पड़ता था अब वह भी नहीं करना होगा। वो अपने हिसाब से अनाज बेच सकेंगे।

हमारे पास पैदावार की केवल 47% स्टोरेज कैपेसिटी

अनुराग ठाकुर ने कहा कि 'भारत दुनिया में सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। रूस और ब्राजील जैसे दूसरों बड़े प्रोड्यूसर्स के पास उत्पादन से ज्यादा भंडारण की क्षमता है, लेकिन हमारे पास पैदावार के केवल 47% स्टोरेज की कैपेसिटी है।' उन्होंने कहा कि 'हर ब्लॉक में 2000 टन का गोडाउन बनाया जाएगा। प्राथमिक कृषि क्रेडिट समितियों (PACS) में भी 500-2000 टन के गोडाउन बनेंगे।'

5 सालों में 2150 लाख टन हो जाएगी स्टोरेज कैपेसिटी

अनुराग ठाकुर ने कहा की हमारी स्टोरेज कैपेसिटी अगले 5 साल में 1450 लाख टन से बढ़कर 2150 लाख टन हो जाएगी। भारत में 3100 लाख टन फूड ग्रेन की पैदावार होती है।'

बेहद चमत्कारिक माने जाते हैं ये रत्न

धारण करने से जीवन में आती है धन-संपदा और समृद्धि

रत्न शास्त्र के अनुसार व्यक्ति के जीवन में रत्नों का बहुत ही बड़ा महत्व होता है। प्रत्येक रत्न का संबंध किसी ना किसी ग्रह से होता है। कुंडली में ग्रहों के अशुभ प्रभाव को दूर करने के लिए

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

ज्योतिषी उससे संबंधित रत्न धारण करने की सलाह देते हैं। हालांकि, ये रत्न विधि और नियम के अनुसार ही धारण किया जाना चाहिए वरना इसका नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। आइए आज जानते हैं कुछ ऐसे ही रत्नों के बारे में जिससे लोगों के जीवन में धन-संपदा और समृद्धि आती है।

नीलम रत्न

नीलम शनिदेव से संबंधित रत्न है। यदि किसी व्यक्ति के ऊपर शनि ग्रह का अशुभ प्रभाव है तो उसे यह रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। नीलम को बेहद शक्तिशाली रत्न माना जाता है। इसके शुभ प्रभाव से मनुष्य की सभी परेशानियां खत्म हो जाती है। इस रत्न की मदद से मनुष्य का सोता हुआ भाग्य भी जाग उठता है।

माणिक्य रत्न

सूर्य से संबंधित इस रत्न को धारण करने से जीवन में अपार सफलता मिलती है। इस रत्न को धारण करने से सकारात्मक उर्जा का वास होता है। घर में सुख समृद्धि का बनी रहती है।

लहसुनिया रत्न

यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में केतु की महादशा चल रही हो उसे तरह-तरह की परेशनियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में ज्योतिषी लहसुनिया रत्न धारण करने की सलाह देते हैं। इस रत्न को धारण करने से व्यक्ति की बुद्धि का विकास होता है और वह अंदर से ऊर्जावान महसूस करता है।

पन्ना रत्न

बुध ग्रह से संबंधित इस रत्न को धारण करने से मनुष्य के वाक कौशल और बौद्धिक गुणों का विकास होता है। इस रत्न को धारण करने वाले व्यक्ति संचार के क्षेत्र में खूब नाम कमाते हैं।

ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन करें ये खास उपाय, दूर होगी पैसों की तंगी, मेहरबान होगी मां लक्ष्मी

श्री रघुनंदन जी
9009369396
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तुविद
अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन द्वारा गोल्ड मेडलिस्ट

हिंदू धर्म में हर माह की आखिरी तिथि पूर्णिमा तिथि होती है. ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा तिथि 3 जून को मनाई जाएगी. इस दिन स्नान दान का खास महत्व होता है. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पूर्णिमा के दिन पूजा, जप, तप और दान आदि किया जाता है. बता दें कि शास्त्रों के अनुसार हर माह की चतुर्दशी तिथि के अगले दिन पूर्णिमा तिथि होती है. बता दें कि इस बार ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा व्रत 3 जून को रखा जाएगा और 4 जून को स्नान-दान और ध्यान किया जाएगा.

धार्मिक मान्यता के अनुसार ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा उपासना का दिन है. इस दिन विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना करने से सभी सुखों की प्राप्ति होती है. इतना ही नहीं, इस दिन कुछ विशेष उपायों के बारे में भी बताया गया है. अगर आप भी आर्थिक तंगी से परेशान हैं, तो ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन 3 चीजें खरीद कर जरूर घर ले आएं.

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर करें ये उपाय

घर लें आएं कछुआ

ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन जगत पालहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए घर पर कछुआ ले आएं. कहते हैं कि कछुआ भगवान विष्णु का ही अवतार हैं. चिरकाल में समुद्र मंथन के दौरान भगवान विष्णु ने कछुआ अवतार लिया था. इस दिन घर पर कछुआ लाना बेहद शुभ माना गया है. इसे घरकी उत्तर दिशा में स्थापित किया जाता है. इसे घर में रखने से सुख-समृद्धि आती है. और आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है.

घर ले आएं मछली

अगर आप काफी लंबे समय से आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं या फिर पैसों की तंगी आपका पीछा नहीं छोड़ रही है, तो ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन घर मछली ले आएं. इसके अलावा आप घर में लक्ष्मी की प्रतिमा या मूर्ति भी लगा सकते हैं. बता दें कि भगवान विष्णु को पहले दस अवतारों में से पहला अवतार मत्स्य अवतार ही है. इसे भी घर की उत्तर दिशा में स्थापित करना चाहिए.

हाथी की प्रतिमा

हिंदू धर्म में मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए हाथी का पूजन भी किया जाता है. हाथी को धन का प्रतीक माना जाता है. कहते हैं कि हाथी की पूजा करने से मां लक्ष्मी और गणेश जी प्रसन्न होते हैं. हाथी की कृपा से घर में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है. अगर आप भी आर्थिक तंगी से परेशान हैं तो घर में हाथी की प्रतिमा ले आएं. इससे धन आगमन होता है.

घर में इस जगह बनाये स्वास्तिक का चिन्ह, दूर होंगी सभी बाधाएं

हिंदू धर्म में स्वास्तिक के चिन्ह को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। किसी भी मांगलिक कार्य को शुरू करने से पहले स्वास्तिक का चिन्ह बनाना बहुत ही जरूरी होता है। कहते हैं कि इसे बनाने से सारे कार्य कुशल-मंगल तरीके से पूर्ण हो जाते हैं। स्वास्तिक के अगल-बगल की रेखाएं गणेश जी की पत्नी रिद्धि और सिद्धि को दर्शाती है। गणेश पुराण के अनुसार स्वास्तिक गणेश जी का ही स्वरूप है इसलिए किसी भी पूजा से पहले इनकी स्थापना करना बहुत जरुरी होता है। पूजा के साथ-साथ वास्तु शास्त्र में भी इसका उपयोग किया जाता है। मनोकामना पूर्ति के लिए घर में अलग-अलग जगह पर स्वास्तिक का चिन्ह बनाया जाता है। तो आइए जानते हैं किन-किन जगहों पर इसे बनाने से बिगड़े काम बन जाते हैं।

वास्तु के अनुसार किस जगह बनाये स्वास्तिक चिन्हः घर में मुख्य द्वार पर बनाएं ये चिन्ह

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के मुख्य द्वार पर ये चिन्ह बनाने से हर तरह के वास्तु दोष से छुटकारा मिलता है और दरिद्रता भी कोसों दूर चली जाती है। गेट पर अष्ट धातु या तांबे से बना स्वास्तिक लगाना शुभ होता है।

तिजोरी पर बनाएं स्वास्तिक का निशान

तिजोरी पर लाल रंग का स्वास्तिक का निशान बनाने से मां लक्ष्मी का आशीर्वाद बना रहता है और व्यापार में तरक्की देखने को मिलती है। अगर बाहर नहीं बनाना चाहते तो तिजोरी के अंदर लाल या पीले कपड़े में हल्दी और चावल बांधकर रख दें। ऐसा करने से धन में वृद्धि होती है।

आंगन में बनाएं स्वास्तिक का निशान

आंगन के बीच में स्वास्तिक का निशान बनाना बहुत ही लाभकारी साबित होता है। कहते हैं आंगन के बीच पितरों का वास होता है और ऐसा करने से घर से नकारात्मकता दूर रहती है और उनका आशीर्वाद बना रहता है।

देहरी पर स्वास्तिक का निशान बनाना होता है शुभ

मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए घर की देहरी की दोनों तरफ पीले रंग का स्वास्तिक बनाना अच्छा होता है।

घर की छत पर दिख जाए ये पांच प्रकार के पक्षी तो समझिए होने वाला है धन लाभ

आइये सामुद्रिक शास्त्र और शकुन शास्त्र के द्वारा जानें पक्षियों का घर पर आना इस बात का देता हैं संकेत। इंसान से पक्षियों की दोस्ती हमेशा से रही है। पक्षी उड़ते हुए कई बार लोगों के घरों की छत और मंडेर पर आकर बैठ जाते हैं। वहीं, कुछ पक्षी इंसानों के घर पर अपना घोंसला भी बना लेते हैं। वैसे पक्षी कभी अकेले आते हैं तो कभी समूहों में आकर छत पर किल्लौल करते हैं। वे वहां दाना खाते हैं, पानी पीते हैं और अठखेलियां करते हैं। हममें से अधिकतर लोगों को पता नहीं है कि विभिन्न पक्षियों का हमारे घर की छत या मुंडेर पर आकर बैठना कोई संयोग मात्र है या फिर इसके पीछे भविष्य का कोई बड़ा संकेत छिपा होता है। आइये सामुद्रिक शास्त्र और शकुन शास्त्र के द्वारा जानें पक्षियों का घर पर आना इस बात का देता हैं संकेत।

तोता- यदि तोता आपके घर की मुंडेर या छत पर आकर बैठता है तो यह किसी मांगलिक कार्य के होने का संकेत माना जाता है। तोता के आना शुभ माना गया है।

उल्लू- उल्लू को मां लक्ष्मी का वाहन माना गया है। उल्लू का आसपास दिखाई देना शुभ माना गया है। यदि घर की छत पर उल्लू दिखाई दे तो समझिए धन लाभ होने वाला है।

चिड़िया- यदि चिड़िया आपकी बालकनी या सीढ़ियों के ऊपर घोंसला बनाकर रहने लगे तो यह आपके घर में खुशियों के आगमन का संकेत होता है। यह इस बात का प्रतीक होता है कि अब आपके संकट के दिन जाने वाले हैं और परिवार में खुशियां बिखरेंगी।

नीलकंठ- नीलकंठ बहुत कम दिखाई देने वाला पक्षी है। यदि आपको छत या मुंडेर पर नीलकंठ पक्षी दिखाई दे जाए तो वह बहुत शुभ माना जाता है। इस पक्षी को भगवान शिव का प्रतीक माना जाता है, जो दुनिया के संकटहर्ता हैं। इस पक्षी का आना इस बात का प्रतीक होता है कि आपको किसी वाहन या संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है।

कौआ- घर के मुंडेर पर सुबह-सवेरे कौए का आकर बोलना इस बात का संकेत होता है कि आपका कोई प्रिय व्यक्ति जल्द ही आपके घर आ सकता है। अगर वह उत्तर की ओर मुंह करके बोलता है तो इसका मतलब कोई धनवान व्यक्ति आ सकता है। जबकि पूर्व की ओर मुंह करके बोलने का मतलब किसी प्रभावशाली व्यक्ति के आने का संकेत होता है।

श्री रोशनी शर्मा
9265235662
हस्त रेखा एवं फेस रीडर
(ज्योतिषाचार्य)

ऑडी इंडिया ने 'माई ऑडी कनेक्ट ऐप'

'चार्जमाईऑडी' की पेशकश की, इलेक्ट्रिक वाहन के मालिकों की सुविधा बढ़ाई

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

ऑडी, जर्मनी की लक्जरी कार निर्माता कंपनी, ने आज 'माई ऑडी कनेक्ट' ऐप पर 'चार्ज माई ऑडी' की पेशकश करने की घोषणा की। यह एक ही ऐप पर कई चार्जिंग स्टेशनों के लिए एक वन-स्टॉप ऐप्लिकेशन है। यह सुविधा खासतौर से ऑडी ई-ट्रॉन के उपभोक्ताओं के लिए शुरू की गई है। चार्जमाईऑडी इंडस्ट्री में अपनी तरह की पहली पहल है, जिसमें पूरा ध्यान इलेक्ट्रिक वाहनों के मालिकों को सुविधा देने पर रखा गया है। हाल ही में इस ऐप्लिकेशन में पांच चार्जिंग पार्टनर्स को शामिल किया गया है, जिसमें आर्गो ईवी स्मार्ट, चार्ज जोन, रिलक्स इलेक्ट्रिक, लॉयन चार्ज और जियोन चार्जिंग शामिल हैं जोकि न्यूमोसिटी टेक्नोलॉजीज ईएमएसएपी रोमिंग सॉल्यूशन द्वारा पावर्ड हैं।

चार्जमाईऑडी उपभोक्ताओं को प्रभावी रूप से अपना ड्राइविंग रूट प्लान बनाने की इजाजत देता है। इससे मुसाफिर अपने सफर के रास्ते में आने वाले चार्जिंग स्टेशनों की पहचान कर सकते हैं, वह चार्जिंग टर्मिनल की उपलब्धता चेक कर सकते हैं, चार्जिंग की शुरुआत कर सकते हैं और उसे बंद कर सकते हैं। इसके साथ ही वह सिंगल पेमेंट गेटवे के माध्यम से इस सर्विस के लिए पेमेंट कर सकते हैं। फिलहाल 'चार्जमाईऑडी' पर ऑडी-ई-ट्रॉन के मालिकों के लिए 750 से ज्यादा चार्जिंग पॉइंट्स उपलब्ध हैं और अगले कुछ हफ्तों और महीनों में इसमें कई और चार्जिंग पॉइंट जोड़े जाएंगे।

फॉक्सवैगन ग्रुप सेल्स इंडिया के बोर्ड सदस्य और एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री क्रिश्चियन कान वॉन सीलेन ने इस मौके पर कहा, 'एक समूह के रूप में, हम इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के लिए प्रतिबद्ध हैं और अपने इलेक्ट्रिक वाहनों का लगातार मूल्यांकन कर रहे हैं। साथ ही चार्जिंग इकोसिस्टम को विकसित कर रहे हैं। लग्जरी इलेक्ट्रिक वाहनों की श्रेणी में काफी अच्छी मांग देखने को मिल रही है और उपभोक्ताओं के लिए की गई इस तरह की पहलों से हमें स्वामित्व के अनुभव के लिहाज से इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग को संपूर्ण रूप से व्यावहारिक बनाने में मदद मिलेगी।' ऑडी इंडिया के हेड श्री बलबीर सिंह ढिल्लन ने इस घोषणा पर अपनी बात रखते हुए कहा, 'ऑडी इंडिया का पूरा ध्यान उपभोक्ताओं पर रहता है। इसके साथ ही हम लगातार कंपनी द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं का मूल्यांकन कर रहे हैं और अपने उपभोक्ताओं के लिए वह समाधान पेश रहे हैं, जिससे वह बिना किसी परेशानी के इन इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज कर सकें। 'चार्जमाईऑडी' अपने आप में अनूठी, इंडस्ट्री की पहली पहल है, जिसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को सुविधा प्रदान करना है। जब से हमने भारत में ई-ट्रॉन को लॉन्च किया है, हमारा ध्यान लोगों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का विकल्प अपनाने में मदद करने के लिए एक संपूर्ण इकोसिस्टम बनाने पर है।'

ग्रेसिम की परिवर्तन लाने वाली वृद्धि की यात्रा के अगले चरण का काम जारी

वित्तीय वर्ष 23 हेतु मजबूत चहुमुखी प्रदर्शन
कंसोलिडेटेड राजस्व ने पार किया 1 लाख करोड़ रूपये का स्तर

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

ग्रेसिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने 31 मार्च 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष व तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। इसके अनुसार समेकित राजस्व ने वित्तीय वर्ष 23 के लिए ऐतिहासिक स्तर पर मील का पत्थर पार करते हुए, 1 लाख करोड़ रूपये का स्तर पार किया और यह 1,17, 627 करोड़ रूपये पर पहुंच गया। स्टैंडअलोन व्यवसाय के मजबूत प्रदर्शन एवं इसके साथ ही इसकी महत्वपूर्ण सब्सिडियरीज़- अल्ट्राटेक सीमेंट, आदित्य बिरला कैपिटल और आदित्य बिरला रिन्यूबेवल्स के मजबूत प्रदर्शन सहित, राजस्व पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 23 प्रतिशत बढ़ा। वित्तीय वर्ष 23 की चौथी तिमाही के लिए कम्पनी का कंसोलिडेटेड (समेकित) राजस्व अपने उच्चतम स्तर 33,462 करोड़ रूपये पर पहुंचा और पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाई। इसमें मुख्य रूप से महत्वपूर्ण सब्सिडियरीज़ का प्रदर्शन का योगदान शामिल है। तिमाही के लिए समेकित ईबीआइटीडीए पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 5 प्रतिशत बढ़कर 4, 873 करोड़ रूपये पर पहुंचा। तिमाही के दौरान हुए निरंतर कार्य संचालनों से समेकित तुलनात्मक पीएटी पिछले वर्ष की चौथी तिमाही के 1,419 करोड़ रूपये की तुलना में 1,369 करोड़ रूपये पर रहा (टैक्स राइट बैक व अन्य वन-ऑफ़ आइटमों के लिए सामंजस्य के बाद)। तिमाही के लिए स्टैंडअलोन पीएटी पर पिछले वर्ष की चौथी तिमाही में ऊँचे उठे स्तर की की तुलना में वैश्विक स्तर पर वीएसएफ व्यवसाय में निरंतर आई नरमी एवं कैमिकल व्यवसाय में नरमी का प्रभाव पड़ा।

आईटीआई म्युचुअल फंड ने लॉन्च किया आईटीआई फोकस्ड इक्विटी फंड

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

आईटीआई म्यूचुअल फंड ने अप्रैल 2019 में अपना ऑपरेशन (परिचालन) शुरू किया था और निवेशकों के लिए बाजार में 17 मुख्यधारा के म्यूचुअल फंड प्रोडक्ट लॉन्च किए हैं। एसेट मैनेजमेंट कंपनी यानी AMC एक बड़े कन्जर्वेटिव कैश-रिच बिजनेस ग्रुप द्वारा समर्थित है। इतने कम समय में, ग्रुप ने यह सुनिश्चित किया है कि निवेशकों के लिए एक आसान लॉन्ग टर्म (दीर्घकालिक) निवेश का अनुभव बनाने के लिए AMC के भीतर गवर्नेंस, लोग, प्रक्रियाएं और इंफ्रास्ट्रक्चर अच्छी तरह से स्थापित हो। फंड हाउस 22 मई, 2023 तक 4,011 करोड़ रुपये के एसेट को मैनेज कर रहा है। कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट यानी AUM में से इक्विटी AUM की हिस्सेदारी 3,285 करोड़ रुपये, जबकि हाइब्रिड और डेट स्कीम की हिस्सेदारी 432 करोड़ रुपये और 295 करोड़ रुपये है। AUM का जियोग्राफिकल विस्तार टॉप 5 शहरों में 46.10%, उसके बाद के 10 शहरों में 21.99%, उसके बाद के 20 शहरों में 15.01% और अगले 75 शहरों में 12.68% और अन्य में 4.22% की हिस्सेदारी के साथ डाइवर्सिफाइड है। आईटीआई म्यूचुअल फंड ने एक एनएफओ (NFO)- आईटीआई फोकस्ड इक्विटी फंड के लॉन्च की घोषणा की है। यह NFO आज यानी 29 मई 2023 को खुलेगा और 12 जून 2023 तक इसमें निवेश (सब्सक्रिप्शन) किया जा सकता है। आईटीआई फोकस्ड इक्विटी फंड अलग अलग मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली 30 कंपनियों में निवेश करने वाला एक अत्यधिक केंद्रित पोर्टफोलियो (कॉन्सन्ट्रेटेड पोर्टफोलियो) है। इस न्यू फंड ऑफर में कम से कम 5000 रुपये से और इसके बाद 1 रुपये के मल्टीपल में कितना भी निवेश कर सकते हैं। फंड का प्रबंधन धीमंत शाह और रोहन कोर्डे द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। आईटीआई फोकस्ड इक्विटी फंड को निफ्टी 500 टोटल रिटर्न इंडेक्स के खिलाफ बेंचमार्क किया जाएगा।

जेंडर डाइवर्सिटी ठीक हो, इसके लिए 1,000+ महिला इंजनियरों की भर्ती करेगी टाटा

नई दिल्ली। एजेंसी

टाटा ग्रुप की कंपनियों में एक अलग ही चलन है। इस कंपनी में सभी का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने का प्रयास रहता है। इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए टाटा ग्रुप की ग्लोबल इंजीनियरिंग और प्रोडक्ट डेवलपमेंट डिजिटल सर्विसेज कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने एक बड़ा फैसला किया है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि वह साल 2023-24 में 1,000 से अधिक महिला इंजीनियरों की भर्ती करेगी।

जेंडर डाइवर्सिटी पर आधारित प्रोग्राम

टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने कहा है कि उसने अपने वर्कफोर्स में लैंगिक विविधता को बढ़ावा देने के लिए यह फैसला किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए लैंगिक विविधता आधारित भर्ती अभियान शुरू किया है। इसका नाम 'रेनबो' कार्यक्रम रखा गया है। इसके जरिये कंपनी ने अधिक महिलाओं को भर्ती करने और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर देने के लिए एक व्यवस्था तैयार की है।

महिलाओं की नेतृत्व क्षमता होगी विकसित

कंपनी कहना है कि वह महिला कर्मचारियों को उनकी नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा करियर में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए ऐसा कर रही है। कंपनी ने कहा है वह 'लीडरब्रिज-विंग्स कार्यक्रम के माध्यम से भविष्य के लिए महिला नेतृत्व को तैयार करके कैरियर के विकास पर भी ध्यान केंद्रित करेगी। यह प्रोग्राम छह महीने का होगा। इसके अलावा, टाटा टेक्नोलॉजीज ने कहा है कि वह 'पूर्वाग्रह को तोड़ने और समावेशिता की संस्कृति का निर्माण करने के उद्देश्य से कर्मचारियों की भागीदारी और संवाद के लिए और अधिक प्लेटफार्म तैयार कर रही है।

शिव नारायण ज्वैलर्स ने 8 गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स जीत कर इतिहास रचा

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

प्रतिष्ठित ज्वैलर शिव नारायण ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद के शीर्ष विरासत ज्वैलर्स ने 8 गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्सरु जीत कर एक असाधारण उपलब्धि हासिल की है तथा भारत के प्रतिष्ठित ज्वैलर के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को कायम रखा है। इस महत्वपूर्ण अवसर यादगार बनाने तथा शिव नारायण की समृद्ध विरासत का सम्मान करने के लिए हैदराबाद के ताज फालकनुमा पैलेस में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया था।

इस कार्यक्रम में बॉलीवुड की फैशन आइकन, दिशा पटानी (एमएस धोनीः अनटोल्ड स्टोरी फेम) सहित सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों और प्रसिद्ध हस्तियां उपस्थिति रहीं, जो शिव नारायण के हाई ज्वैलरी पीसेज में सजी रैंप पर ले गए। शाम का एक और मुख्य आकर्षण एक्सपीरियन्टल जोन था, जो रिकॉर्ड-ब्रेकिंग गहने दिखाने वाला आकर्षक अनुभव पेश कर रहा था।

चार रिकॉर्ड-ब्रेकिंग कृतियों में से पहला गणेश पेंडेंट था, जो 1011.150 ग्राम पर सबसे भारी पेंडेंट के लिए शीर्षक था, और एक पेंडेंट पर 11,472 हीरों को जड़ा गया था। इस सावधानीपूर्वक दस्तकारी वाले ज्वैल की अवधारणा और बनाने के लिए साढ़े छह महीने का समय लगा। शिव नारायण ज्वैलर्स ने इसे बना कर अपनी ही पूर्व कृति राम दरबार पेंडेंट के साथ अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस शानदार पीस ने सबसे भारी पेंडेंट के लिए खिताब हासिल किया, जिसका प्रभावशाली वजन 1681.820 ग्राम था, और इस पेंडेंट पर चौंका देने वाले सबसे अधिक 54,666 हीरे सेट किए गए थे। शिव नारायण ज्वैलर्स, ब्राण्ड की तीसरी उत्कृष्ट पुरस्कार गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्सरु विजेता कृति थी सतलड़ा नेकलेस। इस सतलड़ा नेकलेस में 315 एमरल्ड (पन्ना) और 1971 फाइन डायमण्ड जडे गए थे। इस नेकलेस पर सबसे अधिक पन्ना और सेट किए गये हीरे अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इस अकेले नेकलेस पर रत्नों की सोर्सिंग में चार साल का समय लगा वहीं इसे बनाने में चार महीने लगे। नई उचाइंया कायम करने वाली शिव

नारायण ज्वैलर्स की इस कृति का मैग्निफाइंग ग्लास में 108,346 अमेरिकन डॉलर मूल्य आकां गया जो कि अपने स्तर पर सर्वाधिक मूल्य माना गया है।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए, शिव नारायण ज्वैलर्स के प्रबन्ध निदेशक श्री तुषार अग्रवाल ने कहा, हम वास्तव में 8 गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्सरु जीत कर अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होने आगे कहा यह माइल स्टोन न केवल हमारे उद्योग के लिए एक जबरदस्त उन्नति का प्रतीक है, बल्कि वैश्विक स्तर

पर हमारी टीम के समर्पण, कड़ी मेहनत और जुनून को भी स्वीकार करता है। 8 गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्सरु हासिल करने वाले एकमात्र भारतीय ज्वैलर के रूप में, शिव नारायण ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड ने उद्योग के बेहतरीन में से एक के रूप में अपनी जगह को मजबूत किया है।

ग्रेसिम सेल्युलोसिक डिवीजन विलायत ने 'उत्कृष्ट पर्यावरण प्रबंधन के लिए प्राप्त किया 'CII-ITC' पुरस्कार'

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

ग्रेसिम सेल्युलोसिक डिवीजन (उण्ऊ), विलायत ने 'उत्कृष्ट पर्यावरण प्रबंधन के लिए प्रतिष्ठित 'ण्छ्-घ्ऊ' पुरस्कार' प्राप्त किया। यह पुरस्कार माननीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार श्री नितिन गडकरी द्वारा श्री आशीष गर्ग, यूनिट प्रमुख, GCD विलायत एवं सुश्री शैली गर्ग, टेक्निकल सेवा प्रमुख (टेक्निकल सर्विसेस हेड), उण्ऊ को 17 वें 'CII-ITC' सस्टेनबिलिटी अवाड्र्स समारोह में प्रदान किया गया। समारोह में देश के कई प्रतिष्ठित और ख्यात सीईओ, ज्यूरी मेंबर्स व मूल्यांकनकर्ता शामिल थे। उल्लेखनीय है कि 'CII-ITC' सस्टेनबिलिटी अवाड्र्स देश के सबसे विश्वसनीय सस्टेनबिलिटी पुरस्कार हैं। यह यूरोपियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट एक्सीलेंस (EFQM) फ्रेमवर्क पर आधारित पुरस्कार हैं जिसमें इनेबलर्स (योग्य व्यक्तियों) व रिजल्ट्स (परिणामों) को समान महत्व दिया जाता है जो कि कारण व प्रभाव (कॉज़-इफेक्ट) संबंध को दर्शाता है।

इस अद्वितीय और उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए विलायत प्लांट की पूरी टीम को बधाई देते हुए श्री एच.के. अग्रवाल, मैनेजिंग डायरेक्टर, ग्रेसिम इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ने कहा-'यह प्रतिष्ठित पुरस्कार हमारी पूरी टीम द्वारा विशेषतौर पर सस्टेनबिलिटी के क्षेत्र में किये गए कठिन परिश्रम का सुफल है।' उन्होंने आगे कहा- 'हमारे पल्प और फाइबर व्यवसाय में सस्टेनबिलिटी मुख्य केंद्रबिंदु है और हमारी कुशल निर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) प्रक्रिया के जरिये हमने सफलतापूर्वक वॉटर रिकवरी (पानी की निकासी) में बढ़त, इमिशन (उत्सर्जन) में कमी और कैमिकल रिकवरी (रासायनिक निकासी) में कमी सहित अन्य कई प्रक्रियाओं और स्थितियों में महत्वपूर्ण व स्पष्ट परिवर्तन किये हैं। विशेषकर पानी को लेकर, जो कि महत्वपूर्ण और धीरे धीरे अपर्याप्त होता जा रहा प्राकृतिक संसाधन है, बिरला सेल्यूलोज ने सामान्य स्थापित मानकों से भी आगे जाकर संरक्षण का काम किया है और वैश्विक स्तर पर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।'

श्री आशीष गर्ग, यूनिट प्रमुख-ग्रेसिम सेल्यूलोसिक डिवीजन, विलायत ने सूचित करते हुए कहा- 'यह पुरस्कार, सस्टेनेबल व्यवसाय के क्षेत्र में उत्कृष्टता की यात्रा में ग्रेसिम सेल्युलोसिक डिवीजन की उत्कृष्ट नीतियों, अभ्यास व परिणामों की सराहना करता है।' उन्होंने आगे कहा-'ग्रेसिम सेल्यूलोसिक डिवीजन, 'मिशन लाइफ' अभियान के लिए प्रतिबद्ध है और निरंतर पर्यावरण उत्कृष्टता व इससे भी आगे के पड़ाव हासिल करने की दिशा में काम कर रही है।' यह पुरस्कार ण्छ्-घ्ऊ सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट के निरंतर किये जा रहे प्रयासों का अभिन्न अंग हैं, जो कि जागरूकता फैलाने, नीतियों व अभ्यासों को प्रोत्साहन देने और मुख्यधारा के सस्टेनबिलिटी अभ्यासों हेतु क्षमता बढ़ाने के लिए किये जा रहे हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।